गृह कार्य

Poem

Drawing

06.06.20

# हमसे सब कहते



Scanned with CamScanner

कक्षा कार्य

06.06.20

पाठ-4 हमसे सब कहते

'हमसे सब कहते' कविता लिखिए और चित्र बनाइए।

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।
कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?



Scanned with CamScanner

फिर क्यों हमसे सैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर-भर में
खेल-खिलौने मत फैलाओ।

पापा कहते बाहर खेलो,
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।

-निरंकार देव सेवक



Scanned with CamScanner

कक्षा कार्य

08.06.20

दी गई पंक्ति की अगली पंक्ति लिखो :-

1. कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

2. बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?

3. हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।



Scanned with CamScanner

कक्षा कार्य

09.06.20

Revision Work (अभ्यास कार्य)

'हमसे सब कहते' कविता की प्रथम आठ (8) पंक्तियाँ कवि के नाम के साथ लिखिए :-



Scanned with CamScanner